द्वारा जिसमे केंद्रीय जल और विद्युत् आयोग, दामोदर घाटी नियम, बिहार सरकार और पश्चिम बंगाल सरकार के प्रतिनिधि है, जाच की जा रही है ।

हजारी बाग (बिहार) में कागज मिल का स्थापित किया जाना

210 **श्री शकर दयाल सिह** क्या **औद्योगिक विकास** मत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या हजारी बाग जिले के जंगलो से डालमिया नगर कागज मिल को लकडी और बास के सप्लाई किए जाने को ध्यान मे रखते हुए हजारी बाग जिले मे ही एक बडी कागज मिल स्थापित करने का प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है, और

(ख) क्या बिहार के हजारी बाग जिले मे औद्योगिक बस्ती स्थापित करने का प्रस्ताव भी सरकार के विचाराधीन है ?

औद्योगिक विकास मंत्रालय मे राज्य-मत्री (श्री घनश्याम ओझा) (क) हजारीबाग जिले मे सरकारी क्षेत्र मे बडी कागज मिल स्थापित करने का कोई प्रस्ताव नही है । फिर भी लुगदी तथा कागज बनाने के लिए डालमिया नगर की एक गैर-सरकारी फर्म से विद्यमान कार्य के विस्तार के लिए आवेदन प्राप्त हुए हैं जो सरकार के विचाराधीन है ।

(ख) सूचना इकट्ठी की जा रही है और सभा-पटल पर रख दी जायेगी ।

राष्ट्रीय कोयला विकास निगम तथा 'हिन्दुस्तान स्टील बाहरी' के लिए माल डिब्बों की कमी

211. **श्री शकर दयाल सिंह** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि .

(क) क्या यह सच है कि कोयला क्षेत्रो को विशेषकर माल डिब्बो की कमी के कारण अत्यन्त कठिनाई उठानी पडी थी और कोयला उद्योग प्राय ठप्प हो गया है ; और

(ख) क्या यह भी सच है कि गैर-सरकारी उद्योग अपने निजी प्रयास से माल डिब्बे प्राप्त कर लेते हैं परन्तु राष्ट्रीय कोयला विकास निगम और हिन्दुस्तान स्टील बाहरी को माल डिब्बो की कमी की समस्या का लगातार सामना करना पड रहा है ?

रेल मत्री (श्री हनुमन्तैया) (क) 1969-70 की तुलना मे—1970-70 मे बाहरी कोयला क्षेत्रो से कोयले के लदान मे सुधार हुआ है । चालू वर्ष मे भी यही रुख कायम है । लेकिन पिछले वर्ष की तुलना मे 1970-71 मे पश्चिम बगाल और बिहार कोयला क्षेत्रो से कोयले के लदान मे कमी हुई है । यह आशिक रूप से अगस्त, 1970 तक पिछले वर्ष की तुलना मे माग मे कमी आने कारण और उसके बाद यह कमी पूर्वी क्षेत्र मे रेलो द्वारा गभीर कठिनाइयो का सामना करने के कारण हुई जो उनके नियत्रण के बाहर थी ।

(ख) जी नही ।

Industrial concerns with American Collaboration

212 SHRI SURENDRA MOHANTY : Will the MINISTER OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT) (AUDYOGIK VIKAS MANTRI) be pleased to state :

(a) the number of industrial concerns established under Indo-American collaboration so far, and

(b) the total quantum of loan and/or assistance received by these concerns from